**Title**: Urged the government to stop politicise the education in Rajasthan.

**प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) :** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस तरफ आकर्ति करना चाहूंगा कि राजस्थान में अन्य राज्यों की तुलना में साक्षरता का प्रतिशत बहुत कम है। केन्द्र सरकार सर्व शिक्षा अभियान चला कर सबको शिक्षित करने हेतु पूरा धन मुहैया करा रही है। राजस्थान में वर्तमान में जो कांग्रेस सरकार है, उसने राजीव गांधी स्वर्ण जयन्ती पाठशालाएं खोल कर शिक्षा का राजनीतिकरण कर दिया। आठवीं पास, कहीं-कहीं सेवादल के कार्यकर्ता और ऐसे ही लोगों को सरपंच की मर्जी पर ही पढ़ाने के लिए नियुक्त करने से शिक्षा के स्तर में निरन्तर गिरावट आई है। इससे प्रशिक्षित शिक्षकों में रोा एवं असंतोा व्याप्त है। राज्य को प्राप्त अन्य मदों का खर्च भी इन शालाओं में व्यय किए जाने में अनियमितताएं हो रही हैं।â€¦( व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** यह स्टेट सब्जैक्ट है।

**प्रो. रासा सिंह रावत** : महोदय, चयन के लिए योग्यता को मापदंड नहीं रखा गया है, भाई-भतीजावाद पनप रहा है।â€¦( व्यवधान) शिक्षा प्रसार का यह नया प्रयोग मात्र एक राजनीतिक अभियान बन कर रह गया है, जिसमें शिक्षा की गुणवत्ता का सर्वथा अभाव है।

इसलिए केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इसमें अविलम्ब हस्तक्षेप कर शिक्षा के राजनीतिकरण को रोका जाए।â€¦( व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Vijay Goel, Shri Manoj Sinha and Shri Radha Mohan Singh have given notices. They are all purely related to State subjects.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Vijay Goel, you have given a notice and it relates to the State. How can you raise it in this House?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: These are all State subjects. How can you raise the State subjects in the House? It is entirely a State matter.

...(*Interruptions*)

**श्री विजय गोयल :** महोदय, मैं सरकार का ध्यान पश्चिम बंगाल की तरफ दिलाना चाहता हूं।â€¦( व्यवधान)

MR. SPEAKER: Vijay Goel, you cannot raise the State matter in this House.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Now, we shall take matter under Rule 377. Shrimati Jas Kaur Meena.

...(*Interruptions*)

**श्री विजय गोयल :** महोदय, आरएसएस के चार लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई।

â€¦( व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Vijay Goel, how can you raise the State matters in the House? Please understand and cooperate with the House.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seats. Nothing should go on record.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Shri Vijay Goel, you cannot raise the State matters in this House. Please tell me the procedure.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record.

*(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Shri Vijay Goel, please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia, please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Vijay Goel, how can you raise State matters in the House?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 1.30 p.m.

**12.41 hrs**

*The Lok Sabha then adjourned for lunch till thirty minutes past*

*Thirteen of the Clock.*

---

*Not Recorded.